**एक अभिकथित अभिकर्ता तथा अभिकथित प्रधान के विरुद्ध वैकल्पिक तौर पर संविदा भंग के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अतिसादर पूर्वक निवेदन करता है -**

1. यह कि वादी ..................... में पूर्ववर्ती की दुकान पर तारीख ......................... को प्रतिवादी सं. ...................................... के साथ आरपार आया और .............................. रुपये प्रति साड़ी की दर पर मुद्रित साड़ियाँ प्रतिवादी सं. ......................................... विक्रय करने के लिए प्रेरित किया और यह करार किया गया कि साड़ियों के पैकेज रेलवे प्राप्ति को आच्छादित करने वाली वी. पी. पी. के संदाय के विरुद्ध बंगलौर रेलवे स्टेशन पर प्रतिवादी सं. 1 द्वारा परिदान ग्रहण किया जाना होगा।
2. यह कि प्रतिवादी संख्या ................................वादी को अपने कथन द्वारा प्रतिवादी संख्या ....... ..................... की तरफ से कथित माल खरीदने हेतु प्राधिकारी विवक्षित रुप से अधिदिष्ट किया तथा उपयुक्त अधिदिष्ट के अनुपालन में मुद्रित साड़ी की कथित विक्रय संविदा में वादी प्रवेश किया।
3. यह कि प्रतिवादी सं. ........................ वी. पी. पी. का आदर नहीं किया जो "अस्वीकृत किया गया" एक डाक नोट के साथ वापस कर दिया गया।
4. यह कि वादी ने कथित अस्वीकृति के बारे में तारीख ....................... को एक रजिस्ट्रीकृत नोटिस की तामील करायी और वादी को नुकसान जिसका प्रतिवादी ने यह प्रत्याख्यान कर दिया कि उसकी उसकी ओर से कथित माल का क्रय करने के लिए प्रतिवादी सं. ..................... को किसी प्राधिकारी दारा दिया गया था। देखे उसके उत्तर दिनांकित ..................... को |
5. यह कि वादी को पैकेज का खर्च और माल का रेलवे किराया ........................ रुपये का नुकसान तथा प्रतिवादी सं. ................................ को माल के विक्रय द्वारा वादी द्वारा अर्जित किया जाने वाले लाभ की हानि ...................................... रुपये की कुल होने वाली हानि ............................... रुपये की हुई है।
6. यह कि वाद हेतक प्रतिवादी सं. 1 द्वारा वी. पी. पी. के इंकार की तारीख .............................. को उत्पन हुआ और अंततोगत्वा इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर वादी द्वारा प्रतिवादी सं. ................. के उत्तर की प्राप्ति पर ........................ को उत्पन्न हुआ।
7. यह कि वाद का मूल्यांकन ..................................... रुपये पर किया जाता है और न्यायालय फ़ीस का संदाय उस पर किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष**

इस वाद के रूप दावाकृत अनुतोष है -

1. यह कि वाद की डिक्री प्रतिवादी सं. ................... और वैकल्पिक तौर पर पतिवादी सं. ...................... से नुकसानी के रूप में ...................... रुपये की वसूली के लिए की जाय यदि प्रतिवादी सं...................... के विरुद्ध दावा नहीं साबित किया जाता है या नहीं पाया जाता है।
2. यह कि ....................... रुपये की रकम पर ब्याज..........................की दर से अधिनिर्णीत की जाय।

 वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

 वादी